

उत्पान पत्रों का नाम सहनीलपार ईका
 नं० - 12/29/24 हकम या कार्यवाही मय इनिशियलस जज
 बारीक 9/7/24 री. नं. 2024/50
 हुकम

8-1

22/4/25
 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी/अपी० उप०/
 अनु० पीठासीन अधिकारी अन्व राजकार्य में
 व्यस्त है। पत्रावली वास्ते अध०.....
 दिनांक 13/5/25 को पेश हो।
 रीडर

13/5/25
 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी/अपी० उप०/
 अनु० पीठासीन अधिकारी अन्व राजकार्य में
 व्यस्त है। पत्रावली वास्ते अध०.....
 दिनांक 27/5/25 को पेश हो।
 रीडर

27/5/25
 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी/अपी० उप०/
 अनु० पीठासीन अधिकारी अन्व राजकार्य में
 व्यस्त है। पत्रावली वास्ते अध०.....
 दिनांक 3/6/25 को पेश हो।
 रीडर

3/6/25
 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी/अपी० उप०/
 अनु० पीठासीन अधिकारी अन्व राजकार्य में
 व्यस्त है। पत्रावली वास्ते अध०.....
 दिनांक 16/6/25 को पेश हो।
 रीडर

16/6/25 पत्रावली पेश हुई। वकील अर्फी/अर्फी
 अर्फी/अर्फी का अवकीर्ण करने के
 स्पष्ट हैं कि वकील अर्फी/अर्फी पूर्व
 में भी अर्फी रहे हैं। बार-बार आवेग
 लगवाई गई। वकील अर्फी/अर्फी अर्फी)
 अर्फी बार आवेग न्यायालय सभापन
 सभापति पर लगवाई गई। वकील
 अर्फी/अर्फी अर्फी रहे। वकील अर्फी/
 अर्फी अर्फी अर्फी रहे। वकील अर्फी/
 अर्फी अर्फी अर्फी व अर्फी अर्फी
 में खारिज की जाती हैं। पत्रावली
 फॉसल गुणार दोकर नंबर से कत
 दो स्वं बाव तकगील जमा लेख
 नंबर है।